शोध मंथन Vol. XV No.II Apr.-June 2024 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Available at: *http:/shodhmanthan.anubooks.com*

उत्तराखण्ड राज्य से भारत एवं नेपाल के बीच सीमापार अनौपचारिक व्यापार में संलग्न व्यापारियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन

प्राप्तिः 07.06.2024
स्वीकृतः 27.06.2024

44

शान्ति
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय
स्वा०वि०रा० स्नातकोत्तर महाविद्यालय
लोहाघाट (उत्तराखण्ड)
ईमेलः *yarsoswati@gmail.com*

डा० अभिषेक कुमार पंत
सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य संकाय
ल०सिं०म०रा०स्नातकोत्तर महाविद्यालय
पिथौरागढ़ (उत्तराखण्ड)

सारांश

औपचारिक व्यापार की तरह अनौपचारिक व्यापार का उद्देश्य भी लाभ कमाना होता है। इस व्यापार में जोखिम एवं उच्च लाभप्रदता बहुत अधिक होती है। व्यापार में वर्षों से व्यापारियों की संलग्नता से स्पष्ट होता है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अनौपचारिक सीमापार व्यापार दशकों से निर्बाध रूप से चल रहा है। प्रतिवादी अवलोकन से पता चलता है कि भारत एवं नेपाल दोनों देशों के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग इस व्यापार में प्रतिभाग करते हैं। अनौपचारिक सीमापार व्यापार में महिला एवं पुरुष की समान सहभागिता के कारण लैंगिक न्याय देखने को मिलता है। अध्ययन में शामिल उत्तरदाताओं की शैक्षिक उपलब्धि के तथ्यों से स्पष्ट होता है कि औपचारिक शिक्षा का अनौपचारिक व्यापार में संलिप्तता से कोई संबंध नहीं है। यह अध्ययन सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्रित प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित हैं। यह शोध पत्र अनौपचारिक व्यापार में संलग्न व्यापारियों की सामाजिक, आर्थिक स्थिति, एवं अनौपचारिक व्यापार को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करता है।

मुख्य बिन्दू

अनौपचारिक व्यापार, अनौपचारिक व्यापारी, भारत एवं नेपाल, लैंगिक न्याय, शैक्षिक उपलब्धि, सहभागिता।

प्रस्तावना

अभी तक हुये अनुसंधान के अध्ययन से पता चलता है कि भौगोलिक निकटता, समान संस्कृति, ऐतिहासिक व्यापार संबंध के कारण दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध अद्वितीय रहा है। ऐतिहासिक रूप से भारत, नेपाल का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार रहा है। नेपाल एक स्थलरूद्ध देश है। नेपाल की स्थलरूद्ध भौगोलिक विशेषताओं के कारण भारत के साथ व्यापारिक संबंध महत्वपूर्ण है। सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय एकता ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच जीवंत व्यापार के लिए प्रमुख भूमिका निभाई है। दोनों देशों में व्यापार हेतु समस्त महत्वपूर्ण कारकों का समान होने के

कारण भारत–नेपाल व्यापार मार्ग सभी मौसमों में भी सदियों से अस्तित्व में है। दोनों देशों के लोगों का उच्च स्तरीय आवागमन भारत–नेपाल की पहचान रही है। भारत और नेपाल के सीमावर्ती जिले अपने आजीविका के लिए सदियों से एक–दूसरे पर निर्भर हैं। भारत–नेपाल के बीच कुल सीमाविस्तार 1751 किमी लम्बी है। दोनों देशों के मध्य सर्वप्रथम सीमांकन 8 दिसम्बर 1816 को संगौली संधि के माध्यम से ब्रिटिश भारत एवं नेपाल के शासकों द्वारा किया गया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद पुनः सन् 1950 में मैत्री और शांति संधि 1950 स्वीकार किया गया। मैत्री और शान्ति संधि समय–समय पर दोनों देशों के मध्य व्यापारिक गठजोड़ को भी बढ़ाती रही। उत्तराखण्ड राज्य में दोनों देशों के मध्य सीमांकन महाकाली नदी द्वारा किया जाता है जिसका सीमाविस्तार 263 किमी0 है। उत्तराखण्ड में पिथौरागढ़ और चम्पावत जिला भारत और नेपाल के बीच सीमापार व्यापार के संबंध में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। उत्तराखण्ड में महाकाली नदी पर बने सस्पेंशन फुटब्रिज भारत और नेपाल को विभिन्न स्थानों पर जोड़ते हैं। इन पुलों का उपयोग दोनों देशों के लोगों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की दैनिक आवाज़ाही के लिए किया जाता है। वर्तमान में मोटर ब्रिज केवल बनबसा (चम्पावत) में है। फरवरी 2022 में भारत सरकार और नेपाल सरकार ने धारचूला में महाकाली नदी पर मोटर योग्य पुल के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। बनबसा ब्रिज के बाद यह उत्तराखण्ड का दूसरा मोटर ब्रिज होगा। यह पुल नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत और भारत के उत्तराखंड राज्य के बीच सीमापार कनेक्टिविटी बढ़ाने और सीमावर्ती समुदायों को करीब लाने के लिए बनाया जा रहा है। नेपाल को पारगमन की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1960 में दोनों देशों के मध्य व्यापार और पारगमन संधि हुई। भारत–नेपाल की सीमा खुली होने के कारण दोनों देशों के लोग बिना किसी प्रतिबंध के स्वतंत्र रूप से आवागमन कर सकते है। परंतु माल संचलन की अनुमति केवल 22 निर्दिष्ट पारगमन बिन्दुओं पर ही है। उत्तराखण्ड में भारत–नेपाल के मध्य मुख्य व्यापार हेतु 03 पारगमन बिन्दु क्रमशः बनबसा – महेन्द्रनगर, झूलाघाट–बैतड़ी, धारचूला–दार्चुला को निर्दिष्ट किया गया है।

वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए भारत और नेपाल के बीच उत्तराखण्ड के तीन पारगमन बिन्दुओं पर व्यापार कर रहे अनौपचारिक व्यापरियों को सम्मिलित किया है। इस अध्ययन के लिए अनौपचारिक व्यापार को आधिकारिक आँकड़ों में गैर– रिकॉर्ड किए गए व्यापार प्रवाह के रूप में परिभाषित किया गया है जो दोनों देशों मे मौजूदा कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करके संचालित होता है। वर्तमान अध्ययन के संदर्भ में उन्हीं व्यापारियों को सम्मिलित किया गया है जो उपभोक्ता उत्पादों का आयात–निर्यात करते है। इसमें नशीली पदार्थ, नशीली दवाएं, हथियारों एवं मानव की तस्करी को अपवर्जित किया गया है।

साहित्य समीक्षा

निशा तनेजा एवं संजीब पोहित के शोध कैरेक्टरस्टिक्स ऑफ इनफॉरमल एण्ड फॉरमल ट्रेडिग विथ नेपालः ए क्मपेरेटिव अनालयसिस का अध्ययन भारत–नेपाल के मुख्य 6 बड़े व्यापार केन्द्रों पर आधारित है शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य भारत–नेपाल के मध्य औपचारिक एवं अनौपचारिक व्यापार की विशेषताओं का अध्ययन करना है। इस शोध पत्र में व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर किए

गए विश्लेषण से पता चलता है कि भारत और नेपाल में अनौपचारिक व्यापारियों ने अनुबन्ध प्रवर्तन सूचना के लिए कुशल तंत्र विकसित किया है। इसके अलावा अनौपचारिक व्यापारी अनौपचारिक चैनल के माध्यम से व्यापार करना पसंद करते है क्योकि अनौपचरिक चैनल में व्यापार की लेनदेन की लागत काफी कम है।

जीवा निरिएला के शोध लीगल क्रास बॉडर ट्रेड वर्सस इलीगल क्रास बॉडर ट्रेडः पॉसिबल इंटरवेंसंस ऑफ रीजनल कोओपरेशन इन साउथ एशिया फॉर सस्टेनेबल ट्रांसनेशनन ट्रेड, दक्षिण एशिया में कानूनी सीमापार व्यापार एवं अवैध सीमापार व्यापार पर आधारित है। शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य दक्षिण एशिया के राष्ट्रों में वैध एवं अवैध सीमा व्यापार का अध्ययन, सार्क क्षेत्र में अनौपचारिक व्यापार से संबंधित मुद्दों का पता लगाना और भावी सम्भावनाओं का अध्ययन करना है। यह अनुसंधान बताता है कि यदि कानूनी रूप से आयातित माल स्थानीय बाजार में कम उपलब्ध है तो यह अवैध आयातों में वृद्धि करता है। अवैध सीमापार व्यापार का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग पर्याप्त नहीं है जिस कारण अंतर–सार्क व्यापार कुल व्यापार का केवल 5 प्रतिशत भाग का ही प्रतिनिधित्व करता है।

थॉमस कैंटेंस, रॉबर्ट आयरलैंड एवं गेल रबल्लंद के शोध इंट्रोडक्शनः बॉर्डर्स, इनफोर्मेलिटी, इंटरनेशनल ट्रेड एण्ड कस्टम में सीमाओं पर नियंत्रण रखने वाले और अनौपचारिक व्यापार से चिंतित लोगों से मुख्यतः तीन प्रश्न पूछे गये थे। अनौपचारिकता और तस्करी के बीच अंतर की प्रासंगिकता, अनौपचारिक व्यापार की आर्थिक एवं सामाजिक वैधता और अनौपचारिक व्यापार को ख़त्म करने या नियंत्रित करने के लिए समाधान। कस्टम जैसी सीमा एजेंसियों को जानबूझकर तस्करी और अनौपचारिक व्यापार के बीच अंतर करना चाहिए जहां गैर–अनुपालन जानबूझकर कम हो सकता है। इसके बाद कस्टम को विभिन्न दृष्टिकोणों के परिणामों पर विचार करना चाहिए। एक सीमा एजेंसी जो अधिक पारदर्शी, कम भ्रष्ट और उचित समाधान पर बातचीत करने की इच्छा अनौपचारिक व्यापारियों के लिए सकारात्मक प्रोत्साहन को बढ़ावा देगी। यह शोध पत्र बताता है कि सीमाओं पर जहां वस्तुओं के प्रवाह को विनियमित किया जाता है वहां अनौपचारिक व्यापार सरकारों को आर्थिक योगदान के साथ–साथ सामाजिक संबंधों के बीच संतुलन बनाने या नियम से बचने के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर करता है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. अनौपचारिक व्यापारियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को जानना।
2. अनौपचारिक व्यापार को प्रभावित करने वाले कारकों को जानना।

शोध प्रश्न

1. अनौपचारिक व्यापारियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का स्तर क्या है?
2. अनौपचारिक व्यापार किन कारकों से प्रभावित होता हैं?

अध्ययन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्ययन हेतु अध्ययन क्षेत्र का चयन तालिका संख्या 01 के अनुसार किया गया।

तलिका संख्या – 01

सर्वेक्षण क्षेत्र					
देश	**जिला**	**पारगमन बिन्दु**	**देश**	**जिला**	**पारगमन बिन्दु**
भारत	पिथौरागढ़	धारचूला	नेपाल	दार्चुला	दार्चुला
		झूलाघाट		बैतड़ी	गोठलापानी
	चम्पावत	बनबासा		कंचनपुर	महेन्द्रनगर

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध प्रारूप विधि का प्रयोग किया गया है। शोधार्थी द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली, संरचित साक्षात्कार के साथ ही अवलोकन विधि द्वारा आंकड़ों का संग्रह किया गया है।

प्रतिदर्श चयन प्रविधि– समग्र की आधिकारिक जानकारी नहीं होने के कारण तथ्य संकलन के लिए उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग तालिका संख्या 02 के अनुसार किया गया।

तालिका संख्या – 02

फील्ड सर्वेक्षण के लिए चयनित प्रतिदर्श			
भारत		नेपाल	
पारगमन बिन्दु	**उत्तरदाताओं की संख्या**	**पारगमन बिन्दु**	**उत्तरदाताओं की संख्या**
धारचूला	25	दार्चुला	30
झूलाघाट	15	गोठलापानी	8
बनबासा	35	महेन्द्रनगर	37
कुल	75	कुल	75

विश्लेषण– स्वनिर्मित प्रश्नावली, संरचित साक्षात्कार एवं प्रतिवादी अवलोकन के द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर विश्लेषण।

1. अनौपचारिक व्यापारियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति

अनौपचारिक व्यापारियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को समझने के लिए प्रश्नावली के माध्यम से व्यापारी की आयु, जाति, शैक्षिक स्तर, व्यापार से पूर्व एवं पश्चात के आय और व्यय को जानने का प्रयास किया गया। सर्वेक्षण हेतु कुल उत्तरदाताओं में भारत से 48 प्रतिशत एवं नेपाल से 52 प्रतिशत महिलाएं भी सम्मिलित हैं।

1.1 अनौपचारिक व्यापारियों की जाति

अनौपचारिक व्यापार में सामाजिक संरचना अध्ययन हेतु व्यापारियों की जाति पूछी गयी। तथा यह जानने का प्रयास किया गया कि सामाजिक रचना के अनुरूप क्या अनौपचारिक व्यापार में भी सामाजिक रचना देखने को मिलता है? सर्वेक्षण से पता चलता है कि अनौपचारिक व्यापार में भी सभी धर्म एवं जाति के लोग सम्मिलित होते हैं।

तालिका संख्या – 03

जाति	भारत के उत्तरदाता प्रतिशत में	नेपाल के उत्तरदाता प्रतिशत में
सामान्य	40	39
अनु0 जनजाति	23	17
अनु0जाति	21	23
अन्य पिछड़ा वर्ग	16	21
कुल	100	100

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

प्रस्तुत अध्ययन में तालिका संख्या 03में प्रदर्शित तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि अनौपचारिक व्यापार में दोनों देशों के अलग–अलग समाज से आने वाली सभी जातियों के व्यापारी, व्यापार में संलग्न है। दोनों ही राष्ट्रों के उत्तरदाताओं में सामान्य जाति के व्यापारी सर्वाधिक हैं।

1.2 अनौपचारिक व्यापारियों की शैक्षिक योग्यता

अनौपचारिक व्यापार से जुड़े व्यापारियों की शैक्षिक योग्यता को जानने और अनौपचारिक व्यापार में किस शैक्षिक पृष्ठभूमि से व्यापारी आते है इसकी गहनता से अध्ययन करने के लिए प्रश्नावली में अधिक विकल्प रखें गए थें।

तालिका संख्या –04

देश	शैक्षिक योग्यता (उत्तरदाता प्रतिशत में)								कुल
	अशिक्षित	साक्षर	प्राइमरी	जूनियर हाईस्कूल	हाईस्कूल	इण्टर	स्नातक	स्नातकोत्तर	
भारत	0	9	4	20	7	17	31	12	100
नेपाल	9	13	17	9	9	22	17	4	100

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

उपर्युक्त तालिक संख्या 04 के अध्ययन से पता चलता है कि भारत में शत प्रतिशत उत्तरदाताएं साक्षर हैं जबकि नेपाल में 91 प्रतिशत उत्तरदाताएं साक्षर हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत के सर्वाधिक 31 प्रतिशत उत्तरदाताओं की सर्वोच्च शैक्षिक योग्यता स्नातक है जबकि नेपाल के सर्वाधिक 22 प्रतिशत उत्तरदाताओं की सर्वोच्च शैक्षिक योग्यता इण्टर है।

1.3 व्यापार में प्रवेश से पूर्व मासिक आय एवं व्यय भारतीय रुपये में

अनौपचारिक व्यापार में सम्मिलित होने से पूर्व व्यापारियों की आर्थिक स्थिति को जानने के लिए व्यापारियों से प्रश्नावली के माध्यम से व्यापार में जुड़ने से पूर्व उनकी आय एवं व्यय पूछा गया। सर्वेक्षण से पता चलता है कि भारत के 16 प्रतिशत एवं नेपाल के 9 प्रतिशत उत्तरदाताओं की व्यापार में प्रवेश से पूर्व सर्वाधिक आय 50 हजार भारतीय रुपये से अधिक थी।

तालिका संख्या – 05

आय			व्यय		
मासिक आय	भारत के उत्तरदाता प्रतिशत में	नेपाल के उत्तरदाता प्रतिशत में	मासिक व्यय	भारत के उत्तरदाता प्रतिशत में	नेपाल के उत्तरदाता प्रतिशत में
10000 तक	20	40	5000 तक	21	40
10000 – 20000 तक	13	9	5000 – 10000 तक	12	7
20000 – 30000 तक	9	3	10000 – 15000 तक	8	9
30000 – 40000 तक	1	3	15000 – 20000 तक	13	8
50000 से अधिक	16	9	20000 – 25000 तक	5	0
कोई आय नहीं	41	36	कोई व्यय नहीं	0	0
कुल उत्तरदाता	**100**	**100**	**कुल उत्तरदाता**	**59**	**64**

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

प्रस्तुत तालिका संख्या 05 में प्रदर्शित है कि अध्ययन में सम्मिलित भारत के 41 प्रतिशत एवं नेपाल के 36 प्रतिशत उत्तरदाताओं की व्यापार में संलग्न होने से पूर्व कोई आय नहीं थीं। कुल उत्तरदाताओं में भारत के 59 प्रतिशत एवं नेपाल के 64 प्रतिशत उत्तरदाता ही अनौपचारिक व्यापार में जुड़ने से पूर्व मासिक आय अर्जित करते थे। तथ्यों से स्पष्ट होता है कि भारत के 16 प्रतिशत एवं नेपाल के 15 प्रतिशत उत्तरदाताएं ही 25 हजार भारतीय रुपये से अधिक मासिक आय अर्जित करते थें।

1.4 व्यापार में प्रवेश के पश्चात मासिक आय एवं व्यय भारतीय रुपये में

दोनों देशों के अनौपचारिक व्यापारियों के आर्थिक संवृद्वि को जानने के लिए उत्तरदाताओं से व्यापार में प्रवेश के पश्चात मासिक आय एवं व्यय भारतीय रुपये में पूछा गया।

तालिका संख्या 06

आय			व्यय		
मासिक आय	भारत के उत्तरदाता प्रतिशत में	नेपाल के उत्तरदाता प्रतिशत में	मासिक व्यय	भारत के उत्तरदाता प्रतिशत में	नेपाल के उत्तरदाता प्रतिशत में
15000 तक	21	23	5000 तक	21	15
15000 – 30000 तक	31	41	5000 – 10000 तक	27	43
30000 – 45000 तक	15	12	10000 – 15000 तक	17	17
45000 – 60000 तक	10	9	15000 – 20000 तक	35	25
60000 से अधिक	23	15	20000 – 25000 तक	0	0
कुल उत्तरदाता	**100**	**100**	**कुल उत्तरदाता**	100	100

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

उपर्युक्त तालिका संख्या 06 के तथ्यों के अध्ययन से पता चलता है कि भारत के 48 प्रतिशत एवं नेपाल के 36 प्रतिशत उत्तरदाताओं की मासिक आय 30 हजार भारतीय रुपये से अधिक हैं। अर्थात उपरोक्त तालिका संख्या 09 एवं 10 से स्पष्ट होता है कि व्यापार में प्रवेश के पश्चात व्यापारियों की आय व्यापार में प्रवेश करने से पूर्व की तुलना में बढ़ी हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड के

ई–पेपर के 17 जुलाई, 2023, 07:59 पी0एम0 में प्रकाशित आइ0सी0आई0सी0 सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में वेतन पा रहे व्यक्ति की महीने की औसत वेतन 21647 भारतीय रुपये है। इस प्रकार उपरोक्त तथ्य स्पष्ट करता है कि दोनों देशों के प्रतिवादियों के आय में संवृद्धि हुयी है जो व्यापारियों के जीवन स्तर में सुधार को इंगित करता है।

2.1 भारत और नेपाल के बीच अनौपचारिक व्यापार को प्रभावित करने वाले प्राथमिक कारक

भारत एवं नेपाल के बीच अनौपचारिक व्यापार को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने के लिए प्रतिवादियों से प्रश्नावली के माध्यम से प्रश्न पूछा गया। बाज़ार अवलोकन एवं प्राथमिक तथ्यों से स्पष्ट होता है कि विगत 4 वर्षों से दोनों देशों के मध्य व्यापार को सर्वाधिक राजनैतिक कारक प्रभावित करता है।

तालिका संख्या –07

विवरण	उत्तरदाता प्रतिशत में	
	भारत	नेपाल
राजनैतिक कारक	73	63
आर्थिक कारक	13	9
भौगोलिक कारक	3	21
सांस्कृतिक	0	0
अन्य	11	7
कुल	100	100

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

तालिका संख्या 07 में प्रदर्शित तथ्यों से स्पष्ट है कि भारत के 73 प्रतिशत एवं नेपाल के 63 प्रतिशत प्रतिवादी मानते हैं कि दोनों देशों के मध्य व्यापार को राजनैतिक कारक प्रभावित करते हैं। सीमावर्ती बाज़ार के अवलोकन से पता चलता है कि प्रथम दृष्टया दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध सामान्य दिखते है पर धरातल पर यह सत्य नहीं है। हाल के वर्षों में दोनों देशों के मध्य हुए प्रमुख विवाद अग्रलिखित है–

• नेपाल में 2015 में संविधान बनने के पश्चात नागरिकता कानून लाने एवं नेपाल के तराई क्षेत्रों में हुए मधेशी आंदोलन ने दोनों देशों के मध्य संबंध को ख़राब किया।

• भारत सरकार द्वारा 02 नवंबर, 2019 में जारी की गयी राजनैतिक मानचित्र में लिम्पियाधुरा, कालापानी एवं लिपुलेख दर्रे को शामिल करने पर नेपाल ने ऐतराज व्यक्त किया और इसे वास्तविक नक्शे के विपरीत बताया।

• 09 मई, 2020 को चीन सीमा पर घटियाबगड़ से लिपुलेख सड़क का रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा विडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उद्घघाटन किया गया। इसके बाद पुनः दोनों देशों के मध्य सीमा विवाद शुरू हुआ।

• नेपाल ने 20 मई, 2020 को अपना राजनैतिक मानचित्र जारी करते हुए भारत के लिम्पियाधुरा, कालापानी एवं लिपुलेख दर्रे के क्षेत्र को नेपाल के मानचित्र में दिखाया।

उपरोक्त बिन्दुओं से स्पष्ट होता है कि विगत कुछ वर्षों में हुए राजनैतिक विवादों ने सदियों से चली आ रही व्यापार को प्रभावित किया है।

2.2 भारत से नेपाल में एवं नेपाल से भारत में माल के निर्यात को प्रभावित करने वाले कारक

सर्वेक्षण से स्पष्ट होता है कि दोनों ही देशों से व्यापारियों को निर्यात करने में आधारभूत संरचना सर्वाधिक प्रभावित करती है।

तालिका संख्या –08

विवरण	भारत से नेपाल में माल के निर्यात		नेपाल से भारत में माल के निर्यात	
	उत्तरदाता प्रतिशत में		उत्तरदाता प्रतिशत में	
	भारत	नेपाल	भारत	नेपाल
आधारभूत संरचना (सड़क, झूला पुल, नेटवर्क, गोदाम)	64	55	61	53
शुल्क बाधाएं	5	5	3	7
गैर–शुल्क बाधाएं	0	0	1	0
गुणवत्ता मानक	1	9	0	8
उपरोक्त सभी	25	31	28	32
अन्य	5	0	7	0
कुल	100	100	100	100

स्रोत-प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त

उपरोक्त तालिका संख्या 08 से स्पष्ट होता है कि भारत से नेपाल में माल के निर्यात पर सर्वाधिक भारत के 64 प्रतिशत, नेपाल के 55 प्रतिशत व्यापारियों को आधारभूत संरचनाएं प्रभावित करती है। आधारभूत संरचनाओं में सड़क, झूला पुल, टेलीकॉम एवं इंटरनेट और गोदाम को शामिल किया गया है। नेपाल से भारत में माल के निर्यात पर भी भारत के 61 प्रतिशत, नेपाल के 53 प्रतिशत व्यापारियों को आधारभूत संरचनाएं ही प्रभावित करती है। व्यक्तिगत अवलोकन से पता चलता है कि सीमांत पारगमन बिन्दुओं में भारत के धारचूला, झूलाघाट एवं बनबासा में इंटरनेट एवं मोबाइल नेटवर्क काफ़ी कमज़ोर है। दार्चुला, धारचूला, गोठलापानी, झूलाघाट एवं गड्डाचौकी में उत्पादों के भण्डारण की सुविधा का अभाव है।

निष्कर्ष

अध्ययन में यह पाया गया कि अनौपचारिक व्यापार में भी सामाजिक संरचना के अनुरूप ही सामाजिक रचना देखने को मिलती है। व्यापारियों की शैक्षिक पृष्ठभूमि से पता चलता है कि व्यापार में अधिकांश उत्तरदाता साक्षर है और सभी व्यापारी व्यापारिक गणना भलीभांति जानते हैं। अनौपचारिक व्यापार में प्रवेश के पश्चात सभी व्यापारियों की आय में इजाफ़ा हुआ है। सदियों से चली आ रही व्यापार को सन् 2015 से दोनों देशों के बीच चल रहे राजनैतिक विवादों ने सर्वाधिक प्रभावित किया हैं। जबकि आधारभूत संबंधी कारक व्यापार को कई दशकों से प्रभावित कर रही हैं।

सन्दर्भ

1. Arora, N. (2020). Political Science for Civil Services Main Examination. Tata McGraw Hill: New Delhi.
2. Cantens, Thomas. (2015). Ireland Robert & Raballand Gael. Introduction:

Borders, Informality. International Trade and Customs. December.

3. Department of Border Management. Length of Indian Land Borders; Department of Border Management. Ministry of Home Affairs. Govt- of India: New Delhi. Pg. **1.**
4. FICCI. (2016). Smart border management An Indian perspective. FICCI. September.
5. http%//ssb-nic-in.
6. https%//pib-gov-in/Pressreleaseshare-aspx\PRID¾1788009.
7. https%//www-mea-gov-in/bilateral&documents-htm\dtl/6379/Treaty+of +Trade+and+Transit
8. https%//mea-gov-in.
9. Niriella, Jeeva. (2014). Muthukudu Arachchige Dona Shirama Jeeva Shirajanie Niriella. Legal Cross Border Trade vs- Illegal Cross Border Trade: Possible Interventions of Regional Cooperation in South Asia for Sustainable Transnational Trade. September.
10. Shreshtha, Buddhinarayan. (2000). Boundary of Nepal. Bhoomichitra Mapping Co.: Kathmandu, Nepal.
11. Taneja, Nisha. (2004). Sarvananthan Muttukrishna. Karmacharya K- Binod. Pohit Sanjib. India's Informal Trade with Sri Lanka and Nepal: An Estimation. Indian Council for research international Economic Relations: New Delhi.
12. Upreti, B.C. (2009). India and Nepal: Treaties, Agreements, Understandings, Kalinga Pub.: New Delhi. Pg. **56-57.**